ये अव्यक्त इशारे

"निश्चय के फाउण्डेशन को मजबूत कर सदा निर्भय और निश्चिंत रहो"

30-03-2026

कई बच्चे समझते हैं मैं स्वयं को जानता हूँ कि मैं ठीक हूँ, दूसरे नहीं जानते व दूसरे नहीं पहचानते, आखिर पहचान ही लेंगे व आगे चलकर देखना क्या होता है! यह भी ज्ञान स्वरुप, याद स्वरूप आत्मा के लिए स्वयं को धोखा देने वाली अलबेलेपन की मीठी निद्रा है। जिनके निश्चय का फाउन्डेशन मजबूत है वह कभी छिप नहीं सकते, वे सदा निर्भय और निश्चिंत रहते हैं।

Make your foundation of faith strong and remain constantly fearless and carefree.

Some children think that they know themselves and that they are fine, that others don't know them or recognise them but that they will eventually be recognised. S0, just see what happens as you move forward. It is also a sweet sleep of carelessness for a soul who is an embodiment of this knowledge and an embodiment of remembrance. Those children whose foundation of faith is strong can never be hidden. They remain constantly fearless and carefree.